यूको कामाख्या दर्पण

गुवाहाटी अंचल की छमाही गृह पत्रिका

वर्ष : 7 . अंक : 1 . अप्रैल - सितंबर, 2024

यूको बैंक (भारत सरकार का उपक्रम) UCO BANK (A Govt. of India Undertaking)
सम्मान आपके विश्वास का Honours Your Trust

राजभाषा कीर्ति पुरस्कार 2023-24 में यूको बैंक को द्वितीय पुरस्कार

साइबर जागरूकता दिवस के अवसर पर वाकाथन का आयोजन

यूको
कामाख्या दर्पण

वर्ष : 7. अंक : 1 .   अप्रैल-सितंबर, 2024

संरक्षक

सौम्यदीप घोष

उप महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख

दिग्दर्शन

ख्रिली पिन्यू

सहायक महाप्रबंधक एवं
उप अंचल प्रमुख

संपादक

विशाल कुमार

वरिष्ठ प्रबंधक -राजभाषा

नोट : पत्रिका में व्यक्त विचार लेखकों के हैं, बैंक के नहीं ।

विषय-वस्तु	पृष्ठ सं.
माननीय गृह मंत्री का संदेश	4
एमडी एवं सीईओ का संदेश	6
अंचल प्रमुख का संदेश	7
संपादकीय	8
यूको राजभाषा प्रतिज्ञा	9
यूको राजभाषा मिशन	10
राजभाषा टिप्पणियाँ	11
राजभाषा कीर्ति पुरस्कार : 2023-24	13
व्यावसायिक दृष्टिकोण से गुवाहाटी अंचल	14-16
यात्रा-वृतांत	18-21
कविताइ	22-23
भाषण - विकसित भारत	24-25
कार्यपालक निदेशक का गुवाहाटी दौरा	26
डाटा गवर्नेंस दिवस का अनुपालन	28
प्रेमचंद जयंती	29
शाखाओं की समीक्षा बैठक	30
यूको बैंक द्वारा प्रायोजन	31
वाकाथन-साइबर जागरूकता दिवस	32
विभाजन विभीषिका स्मृति प्रदर्शनी	33
गीत गायन प्रतियोगिता	34
77वां स्वतंत्रता दिवस समारोह	35
राजभाषा अधिकारी प्रशिक्षण एवं पत्रिका विमोचन	36
गणेश उत्सव	37
सितंबर, 2024 तिमाही की हिंदी कार्यशाला	38
चतुर्थ अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन	39
हिंदी दिवस एवं हिंदी पखवाड़ा 2024	41
जन्मदिन	44
नन्हें कलाकार	45
स्वास्थ्य का ध्यान रखें	46

प्रकाशन एवं संपर्क

यूको बैंक, अंचल कार्यालय, मणिराम देवान रोड,
सिलपुखुरी, गुवाहाटी, 781003, मो : 9798487732
ई-मेल : zoguwahati.ol@ucobank.co.in

हिंदी दिवस, 2024 के अवसर पर
माननीय गृह एवं सहकारिता मंत्री का संदेश

अमित शाह
गृह मंत्री एवं सहकारिता मंत्री
भारत सरकार

सत्यमेव जयते

प्रिय देशवासियो!

आप सभी को हिंदी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ।

इस वर्ष का हिंदी दिवस समारोह विशेष है, क्योंकि 14 सितंबर, 1949 को भारत की संविधान सभा द्वारा हिंदी को संघ की राजभाषा के रूप में स्वीकार किए जाने के 75 वर्ष पूरे हो रहे हैं। यह अत्यंत प्रसन्नता की बात है कि राजभाषा विभाग द्वारा इसे 'राजभाषा हीरक जयंती' के रूप में मनाया जा रहा है।

भारत अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, पुरातन सभ्यता और भाषिक विविधता के लिए दुनिया में विशिष्ट स्थान रखता है। क्षेत्रीय भाषाओं ने हमारी अतुलनीय सांस्कृतिक विविधता को आगे बढ़ाने और देशवासियों को भारतीयता के अटूट सूत्र में पिरोने का काम किया है। अतः हिंदी सहित सभी भारतीय भाषाओं को भारतीय अस्मिता का प्रतीक कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी।

स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान स्वराज, स्वदेशी और स्वभाषा पर विशेष बल दिया गया था। हिंदी ने तब से लेकर आज तक, देश की विविधता में एकता स्थापित करने और सामूहिक सद्भावना को सुदृढ़ करने का महती कार्य किया है। हिंदी की इसी शक्ति के कारण उन दिनों हिंदी की स्वीकार्यता को बढ़ावा देने वालों में लोकमान्य तिलक, महात्मा गाँधी, लाला लाजपत राय, नेताजी सुभाषचन्द्र बोस, राजगोपालाचारी एवं अन्य गैर-हिंदीभाषी महानुभावों की महत्वपूर्ण भूमिका रही थी। आजादी के बाद हिंदी की इसी सर्वसमावेशी प्रवृत्ति को ध्यान में रखते हुए हमारे संविधान निर्माताओं ने हिंदी को संघ की राजभाषा का दर्जा दिया तथा संविधान की आठवीं अनुसूची में प्रमुख भारतीय भाषाओं को स्थान दिया।

हिंदी एक ऐसी भाषा है, जिसमें आपको देश की कई भाषाओं के तत्व मिल जाएँगे। इसका इतिहास लिखने वालों ने तो रासो ग्रंथों, सिद्धों-नाथों की वाणियों से लेकर भक्तिकाल के संत कवियों और खड़ी बोली तक इसकी परम्परा को माना है। कवि चंदबरदाई से लेकर महाकवि विद्यापति, ज्योतिरीश्वर ठाकुर, तुलसीदास, सूरदास, मीराबाई, आंडाल, गुरू नानकदेव जी, संत रैदास, कबीरदास जी से लेकर आज तक कई साहित्यकारों व भाषाविदों ने भारतीय भाषाओं के माध्यम से हिंदी का मार्ग प्रशस्त किया। इसके विकास में उन असंख्य लोकभाषाकारों का भी अमूल्य योगदान है, जो गायन-वादन के द्वारा इस भाषा के आदिरूपों को जन-जन तक पहुँचाते रहे। हिंदी भाषा मैथिली, भोजपुरी, अवधी, ब्रज, हरियाणवी, राजस्थानी, मेवाती, गुजराती, छत्तीसगढ़ी, बघेली, कुँमाउनी, गढ़वाली जैसी मातृभाषाओं के समन्वित रूप से ही तो बनी है। मुझे खुशी है कि हिंदी भाषा इन मातृभाषाओं को अक्षुण्ण रखते हुए आगे बढ़ रही है और लगातार विकसित हो

रही है। आज जब राजभाषा के रूप में हिंदी अपनी 75वीं वर्षगाँठ पूरी कर रही है, तब हमें इसका यह इतिहास जरूर याद रखना चाहिए।

14 सितंबर, 1949 से लेकर लगातार राजभाषा के रूप में हिंदी के संवर्धन के अनेक काम हुए हैं। राजभाषा विभाग की विशाल यात्रा को पीछे मुड़ कर देखें, तो हमें कई महत्वपूर्ण पड़ाव दिखाई देते हैं, जहाँ इस विभाग ने जिम्मेदारीपूर्वक सरकारी तंत्र को भाषिक चेतना के प्रति प्रेरित किया है।

साल 1977 में श्रद्धेय **अटल बिहरी वाजपेयी जी** ने तत्कालीन विदेश मंत्री के रूप में पहली बार संयुक्त राष्ट्र की आम सभा को हिंदी में संबोधित कर राजभाषा का मान बढ़ाया। माननीय **प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी** जब अंतरराष्ट्रीय मंचों पर हिंदी भाषा में संबोधन देते हैं और भारतीय भाषाओं के उद्धरण देते हैं, तो समूचे देश में अपनी भाषा के प्रति गौरव के भाव को और बल मिलता है। बीते 10 वर्षों में हमारी सरकार ने राजभाषा को और भी समृद्ध व सक्षम बनाने के हर संभव कार्य किए हैं। 2018 में अनुवाद टूल कंठस्थ का लोकार्पण हो, 2020 में भारत की नई शिक्षा नीति में मातृभाषाओं को विशेष महत्व देने की अनुशंसा हो, केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में आधिकारिक भाषाओं की सूची में कश्मीरी, डोगरी और हिंदी को शामिल करने के लिए विधेयक पारित करना हो, 2022 में हिंदी दिवस पर कंठस्थ 2.0 का लोकार्पण हो या साल 2021 से हर साल हिंदी दिवस पर 'अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन' आयोजित करना हो, सरकार राजभाषा व भारतीय भाषाओं के संरक्षण के प्रति प्रतिबद्ध है। साथ ही, संसदीय राजभाषा समिति ने अपने प्रतिवेदन का 12वाँ खंड भी माननीय राष्ट्रपति महोदया को सौंप दिया है।

राजभाषा में कार्यों को प्रोत्साहन देने हेतु हमने साल 2022 से संशोधित राजभाषा गौरव पुरस्कार योजना भी शुरू की है जिसके तहत ज्ञान-विज्ञान, अपराध शास्त्र अनुसंधान, पुलिस प्रशासन, संस्कृति, धर्म, कला, धरोहर एवं विधि के क्षेत्र में राजभाषा में मौलिक पुस्तक लेखन हेतु पुरस्कार दिए जाते हैं। साथ ही, राजभाषा विभाग ने डिजिटल शब्दकोश 'हिंदी शब्द सिंधु' का निर्माण भी किया है।

दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में यह और भी आवश्यक हो जाता है कि हिंदी एवं भारतीय भाषाओं के माध्यम से जन-जन तक संवाद स्थापित करते हुए राष्ट्र की प्रगति सुनिश्चित की जाए। यह अत्यंत आवश्यक है कि हम व्यापक रूप से सरल और सहज भाषा का प्रयोग करके राजभाषा और जनभाषा के बीच की दूरी को पाटें, ताकि देश के हर वर्ग का नागरिक देश की प्रगति से परिचित भी हो और लाभान्वित भी। इस तरह 'आत्मनिर्भर भारत' व 'विकसित भारत' के लक्ष्य को प्राप्त करने में हमारी भारतीय भाषाओं की सशक्त भूमिका रहने वाली है।

मुझे विश्वास है कि हिंदी दिवस एवं राजभाषा हीरक जयंती समारोह, मातृभाषाओं के प्रति राजभाषा विभाग की प्रतिबद्धता को और भी ऊँचाई देने का सार्थक माध्यम बनेगा। मैं राजभाषा विभाग के कार्यों की सराहना करते हुए हिंदी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ।

वंदे मातरम्!

नई दिल्ली
14 सितंबर, 2024

(अमित शाह)

दिनांक: 14 सितंबर 2024

हिंदी दिवस 2024 के अवसर पर
प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी का संदेश

प्रिय यूकोजन,

हिंदी दिवस-2024 की हार्दिक शुभकामनाएं।

सबसे पहले मैं इस अवसर पर यूको बैंक को राजभाषा कीर्ति पुरस्कार द्वितीय प्राप्त होने के उपलक्ष्य में आप सब को बधाई देता हूँ।

हिंदी दिवस हमारे लिए राजभाषा हिंदी में काम करने के लिए स्वयं को समर्पित करने का दिन है। संघ सरकार की राजभाषा नीति प्रेरणा और प्रोत्साहन की है। इस दिशा में हिंदी दिवस, हिंदी पखवाड़ा, हिंदी माह आदि का आयोजन विभिन्न स्तर के अधिकारियों व कर्मचारियों को हिंदी में काम करने के लिए प्रेरित करने का एक महोत्सव है। यूको बैंक राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन के लिए सदा समर्पित रहा है।

हिंदी भारतीय भाषाओं से जुड़कर और भारतीय भाषाओं को जोड़कर संपूर्ण राष्ट्र के लिए एक समर्थ संपर्क भाषा और संघ सरकार की राजभाषा के रूप में अपना दायित्व निभा रही है। इस अवसर पर हम अपने कार्यालय का संपूर्ण काम हिंदी में करने के लिए स्वयं को पुनः समर्पित करते हैं तथा संघ सरकार द्वारा जारी वार्षिक कार्य योजना को शत प्रतिशत कार्यान्वित करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करते हैं।

एक बार फिर से आप सबको हिंदी दिवस की अनेक-अनेक शुभकामनाएं।

अश्वनी कुमार
प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, यूको बैंक

उप महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख का संदेश

प्रिय सहकर्मीगण, नमस्कार !

वित्तीय वर्ष 2024-25 की प्रथम छमाही समाप्त कर हम दूसरी छमाही में प्रवेश कर चुके हैं । आशा है कि पिछली छमाही की तुलना में इस छमाही में हम बेहतर कार्य करेंगे और अपने अंचल को शीर्ष अंचलों की सूची में कायम रखने का प्रयास करेंगे ।

डिजिटलीकरण के इस दौर में हमारा बैंक भी अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करने में पीछे नहीं है और डिजिटल बैंकिंग के माध्यम से हमारे ग्राहकों को सुविधा और सुरक्षा प्रदान करना हमारी प्राथमिकता भी है। हमारे आदरणीय एमडी सर का भी डिजिटल और सूचना प्रौद्योगिकी की ओर विशेष ध्यान है।

हमारे बैंक का मोबाइल बैंकिंग एप्प एक बेहतरीन एप्प है और उपयोगकर्ता के अनुकूल है जिसके माध्यम से हमारे बैंक ग्राहक बिना बैंक शाखा में गए अपनी बैंकिंग जरूरतों को पूरा कर सकते हैं। यह एप्प वन स्टॉप सोल्यूसन की तरह हैं जहां एक ही स्थान पर सभी प्रकार की बैंकिंग जरूरतें पूरी होती हैं।

शाखाओं से अपील है कि हमारे मोबाइल बैंकिंग एप्प का हमारे ग्राहकों के बीच अधिक से अधिक प्रचार करें और उन्हें यह एप्प प्रयोग करने के लिए प्रेरित करें । साथ ही यह भी सुनिश्चित करें कि खाता खोलने के साथ-साथ ही आप उनके मोबाइल पर यह एप्प इन्स्टाल करवा दें ताकि वे तुरंत इसका लाभ उठा सके।

मोबाइल बैंकिंग के अलावा बैंक के अन्य डिजिटल उत्पाद जैसे व्हाट्स एप्प बैंकिंग, मर्चेंट क्यूआर कोड, पीओएस, आदि को ग्राहकों के बीच अत्यधिक प्रचार करें एवं इसे अधिकतम उन्हें बेचने का प्रयास करें।

डिजिटल उत्पाद के अलावा बैंक का जो प्रमुख क्षेत्र है RAM - रिटेल, कृषि एवं एमएसएमई; में अधिक से अधिक प्रस्ताव संस्वीकृत करें। इस कार्य में तेजी लाने हेतु बैंक द्वारा 2 हब (RLH एवं SME HUB) बनाए गए हैं, जिसमें आप अधिकतम प्रस्ताव भेजें और उसे हब से स्वीकृत कराएं । इसके अतिरिक्त शाखा में जितने भी प्रकार के अनुपालन कार्य है, सभी पर ध्यान देना है और उसे समय से पूरा भी करना है। अनुपालन कार्यों में राजभाषा का अनुपालन भी एक है जिसका 100% अनुपालन अनिवार्य है। CASA पोर्टफोलियो को बढ़ाएं । शाखा से बाहर संस्थानों में विजिट करें और बैंक के लिए अधिकतम व्यवसाय लाने का प्रयास करें ।

आइए, हम कृत-संकल्पित हों कि डिजिटलीकरण के इस युग में ग्राहक सेवा में गुणात्मक सुधार लाएँ जिससे हमें ग्राहक आधार बढ़ाने में आसानी हो और हर जगह बस यूको यूको की गूंज ही सुनाए दे ।

सौम्यदीप घोष

संपादकीय

प्रिय पाठकगण ! नमस्ते ।

हमें आपको “यूको कामाख्या दर्पण” अप्रैल-सितंबर, 2024 अंक प्रदान करते हुए अत्यंत खुशी हो रही है। पत्रिका का उद्देश्य हमारे कर्मचारियों की सृजन क्षमता का विकास के साथ-साथ राजभाषा हिंदी का प्रचार-प्रसार करना भी है। हमारा यह प्रयास रहता है कि प्रत्येक अंक में पाठकों के लिए इसे और बेहतर बनाया जाए ।

इस अंक की विशेष बात यह है कि इसमें हमारे माननीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह जी का संदेश शामिल है। इस संदेश के माध्यम से उन्होंने राजभाषा हिंदी के प्रति अपने विचारों को देशवासियों तक पहुंचाने का प्रयास किया है। इसके अलावा हिंदी दिवस के अवसर पर हमारे बैंक के एमडी एवं सीईओ श्री अश्वनी कुमार जी का संदेश भी शामिल किया गया है।

मेरा यह मानना है कि लिखने से हम अपने अंदर के तनाव को कम करते है। बैंकिंग जॉब में तनाव होना स्वाभाविक है। अतः यह तनाव कम करने का यह बेहतर विकल्प माना जाता है। आप किसी भी विषय पर कोई एक लेख, कोई कविता कहानी, अपने जीवन की कोई यादगार घटना, कहीं घूमने गए हैं तो उसका अनुभव कुछ भी लिखिए । इसके दो फायदे हैं; आप इसे यादगार के रूप में सँजो कर रख सकते हैं और आप पत्रिका के लिए सामग्री भी उपलब्ध करवा रहे हैं।

इस अंक में कुल तीन सुंदर कविताओं को शामिल किया गया है एवं एक यात्रा वृतांत भी है जो आपके पठन क्रिया को मजेदार बनाएगी। हमारे अंचल प्रमुख श्री सौम्यदीप घोष जी का संदेश आपको प्रेरणा प्रदान करेगी ।

माना जाता है कि पूर्वोत्तर क्षेत्र में कार्य करना कठिन होता हैं (विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में) क्योंकि यहां जीवन उतना आसान नहीं जितना मैदानी इलाकों में होता है। परिस्थितियाँ प्रतिकूल होती हैं। ऐसे में स्व. अटल बिहारी वाजपेयी जी की एक कविता की कुछ पंक्तियाँ याद आती है—

हार नहीं मानूँगा
रार नहीं ठानूंगा
काल के कपाल पे लिखता मिटाता हूँ
गीत नया गाता हूँ....

उक्त पंक्तियाँ रक्त धमनियों में ऊर्जा का संचार करती है, हमें यह भरोसा दिलाती है कि प्रतिकूल परिस्थितियों में घबराना नहीं है बल्कि डटकर सामना करना है।

मुझे पूरा विश्वास है कि यह अंक आपको बहुत पसंद आएगा एवं पत्रिका में लेखों/कविताओं के माध्यम से व्यक्त विचारों से पाठकगण अवश्य लाभान्वित होंगे ।

शुभकामनाओं सहित
विशाल कुमार

यूको राजभाषा प्रतिज्ञा

“हम, यूको बैंक के स्टाफ-सदस्य, सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञा करते हैं कि
हम भारत सरकार की राजभाषा नीति के अनुपालन हेतु निरंतर कार्य करेंगे।
हम अपने बैंक में राजभाषा कार्यान्वयन में गति लाने एवं
उसकी स्थिति को उन्नत करने के प्रति सदैव सजग रहेंगे।
हम अपने सामूहिक प्रयास से राजभाषा के क्षेत्र में अपने बैंक को गौरवशाली बनाएंगे।
हम स्वयं राजभाषा में दृढ़तापूर्वक कार्य करेंगे एवं दूसरों को भी प्रेरित करेंगे।

हम यह प्रतिज्ञा भी करते हैं कि हम राजभाषा अधिनियम, राजभाषा नियम के उपबंधों
एवं वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करके
राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में भी
यूको बैंक को सर्वोत्कृष्ट श्रेणी का बैंक बनाएंगे।”

यूको बैंक (भारत सरकार का उपक्रम) UCO BANK (A Govt. of India Undertaking)

सम्मान आपके विश्वास का — Honours Your Trust

यूको राजभाषा मिशन
" राजभाषा के क्षेत्र में सर्वोत्कृष्ट श्रेणी
का बैंक बनने हेतु,
बैंक के सभी स्टाफ सदस्यों को
राजभाषा कार्यान्वयन की दिशा में,
प्रेरणा, प्रोत्साहन एवं सद्भावना द्वारा
दृढ़तापूर्वक सक्रिय कर एवं
राजभाषा नीति का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित कर,
नवीनतम प्रौद्योगिकी को राजभाषा से जोड़कर,
बैंकिंग को जन-उन्मुख बनाते हुए
बेहतर ग्राहक सेवा प्रदान करना "
यूको बैंक
(भारत सरकार का उपक्रम)
UCO BANK
(A Govt. of India Undertaking)
सम्मान आपके विश्वास का
Honours Your Trust

दैनिक कार्यों में प्रयुक्त होनेवाली टिप्पणियाँ
Noting to be used in Daily Routine

अंग्रेजी/English	हिंदी/Hindi
Accepted	स्वीकृत
Approved	अनुमोदित
Action May be taken	कार्रवाई की जाए
All concerned to note	सभी संबंधित व्यक्ति इसे नोट करें
Approved as proposed/suggested	प्रस्ताव/सुझाव के अनुसार अनुमोदित
Approval may be obtained	अनुमोदन प्राप्त किया जाए
Arrangement may be made	व्यवस्था की जाए
Await reply/report	उत्तर/रिपोर्ट की प्रतीक्षा करें
Bill may be paid	बिल का भुगतान करें
Call for report	रिपोर्ट मँगवाएँ
Copy may be sent	प्रतिलिपि भेजी जाए
Draft for Approval	अनुमोदन हेतु मसौदा
Explanation may be called for	स्पष्टीकरण मांगा जाए
For Consideration	विचारार्थ
For Information	सूचनार्थ
For perusal	अवलोकनार्थ
Give top priority	सर्वोच्च प्राथमिकता दें
I agree/Agreed	मैं सहमत हूँ/सहमत
Keep this in abeyance	इसे रोक रखें
May be informed accordingly	तदनुसार सूचित किया जाए
May be sanctioned	मंजूरी दी जाए
May be treated as closed	बंद समझा जाए
May be treated as urgent	इसे अत्यावश्यक समझा जाए
Most urgent	अत्यावश्यक
Necessary action may be taken	आवश्यक कार्रवाई की जाए
No further action is required	आगे कोई कार्रवाई अपेक्षित नहीं है
Noted	नोट किया
Offer your comments	अपनी टिप्पणी दें
OK	ठीक है
Payment may be made	भुगतान किया जाए
Please acknowledge	कृपया पावती दें
Please ensure	कृपया सुनिश्चित करें
Please explain the matter	कृपया मामले को स्पष्ट करें
Please offer your comment	कृपया अपनी टिप्पणी दें

दैनिक कार्यों में प्रयुक्त होनेवाली टिप्पणियाँ
Noting to be used in Daily Routine

Please advise	कृपया सूचित करें
Please attend the meeting	कृपया बैठक में भाग लें
Please circulate	कृपया परिचालित करें
Please comply	कृपया पालन करें
Please confirm	कृपया पुष्टि करें
Please discuss	कृपया चर्चा करें
Please do the needful	कृपया आवश्यक कार्रवाई करें
Please put up a note	कृपया नोट प्रस्तुत करें
Please reply	कृपया उत्तर दें
Please Speak	कृपया बात करें
Please submit	कृपया प्रस्तुत करें
Recommended	संस्तुत
Rejected	अस्वीकृत
Sanctioned	संस्वीकृत/मंजूर
Seen	देख लिया

सामग्री आमंत्रित है

गुवाहाटी अंचल के अधीन सभी शाखाएं, सभी एलडीएम कार्यालय, सभी आरसेटी कार्यालयों एवं क्षेत्र निरीक्षणालय के सभी स्टाफ सदस्यों से अंचल की छमाही पत्रिका **"यूको कामाख्या दर्पण"** हेतु सामग्री आमंत्रित है ।

सामग्री हिंदी/असमिया/बांग्ला/बोडो भाषा में सामयिक लेख, कविता, कहानी, यात्रा वृतांत, संस्मरण, किसी जगह की जानकारी, किसी व्यक्ति विशेष की जानकारी, ग्राहक सफलता की कहानी, स्टाफ सफलता की कहानी, शाखाओं/कार्यालयों की गतिविधियां, स्टाफ या उनके बच्चों द्वारा बनाई गई पेंटिंग, भोजन डिश की रैसिपि आदि के रूप में हो सकती है ।

अपनी सामग्री हमें यूनिकोड में टाइप कर zoguwahati.ol@ucobank.co.in पर भेजें ।

राजभाषा कीर्ति पुरस्कार : 2023-24

आदरणीय श्री अश्विनी कुमार, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी; माननीय गृह राज्य मंत्री श्री नित्यानंद राय, सचिव महोदया राजभाषा विभाग, श्रीमती अंशुलि आर्य एवं अन्य गणमान्य की उपस्थिति में राजभाषा कीर्ति पुरस्कार 2023-24 ग्रहण करते हुए

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा राजभाषा के क्षेत्र में श्रेष्ठ कार्यनिष्पादन हेतु प्रत्येक वर्ष राष्ट्रीय स्तर पर **"राजभाषा कीर्ति पुरस्कार"** तथा क्षेत्रीय स्तर पर **"क्षेत्रीय राजभाषा पुरस्कार"** प्रदान किया जाता है।

इसी क्रम में यूको बैंक को पिछले चार वर्षों से लगातार राजभाषा कीर्ति पुरस्कार प्राप्त हो रहा है। वर्ष 2020-21 के लिए "राजभाषा कीर्ति पुरस्कार - प्रथम", वर्ष 2021-22 के लिए भी "राजभाषा कीर्ति पुरस्कार - प्रथम", वर्ष 2022-23 के लिए "राजभाषा कीर्ति पुरस्कार - तृतीय" तथा इस वर्ष 2023-24 के लिए "राजभाषा कीर्ति पुरस्कार - द्वितीय"से सम्मानित किया गया है ।

यह पुरस्कार माननीय गृह राज्य मंत्री श्री नित्यानंद राय जी द्वारा 14 सितंबर, 2024 को भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन में प्रदान किया गया । हमारे प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्री अश्विनी कुमार ने पुरस्कार ग्रहण किया ।

समस्त यूकोजन को हार्दिक बधाई !

कारोबार

व्यावसायिक दृष्टिकोण से गुवाहाटी अंचल
01 अप्रैल से 30 सितंबर, 2024 तक

यूको गृह ऋण : शीर्ष 5 शाखाएं (राशि की दृष्टि से)

क्रम	शाखा का नाम	शाखा क्रमांक	संस्वीकृत ऋण की संख्या	संस्वीकृत राशि (लाख रूपये में)
1	रेहाबारी	0709	7	669.5
2	बरपेटा रोड	2276	6	203.00
3	डाउनटाउन	1994	5	202.00
4	बसिस्थ	3037	6	124.52
5	बरपेटा	1338	5	103.50

व्यावसायिक दृष्टिकोण से गुवाहाटी अंचल
01 अप्रैल से 30 सितंबर, 2024 तक

यूको कार ऋण : शीर्ष 5 शाखाएं (राशि की दृष्टि

क्रम	शाखा का नाम	शाखा क्रमांक	संस्वीकृत ऋण की संख्या	संस्वीकृत राशि (लाख रूपये में)
1	डाउनटाउन	1994	21	199.80
2	सिलपुखुरी	0533	8	191.88
3	कोकराझार	0495	8	83.00
4	मोरीगाँव	2956	9	79.85
5	मालीगाँव	0140	8	65.01

वसूली करनेवाली शीर्ष 5 शाखाएं

01 अप्रैल से 30 सितंबर, 2024 तक

क्रम	शाखा का नाम	शाखा क्रमांक	वसूली (करोड़ में)
1	सिलपुखुरी	0533	9.08
2	सिलचर	0080	1.36
3	बोंगाईगाँव	0366	1.08
4	शिलांग	0089	1.06
5	बसिस्थ	3037	0.68

व्यावसायिक दृष्टिकोण से गुवाहाटी अंचल
01 अप्रैल से 30 सितंबर, 2024 तक

एटीएम जारी करनेवाली शीर्ष 5 शाखाएं

क्रम	शाखा का नाम	शाखा क्रमांक	जारी एटीएम की संख्या
1	तामूलपुर	0771	1267
2	बोंदा	1372	1026
3	गौरीपुर	0405	1008
4	करीमगंज	0822	942
5	डोबोक	1427	931

मोबाइल बैंकिंग पंजीकरण करनेवाली शीर्ष 5 शाखाएं

क्रम	शाखा का नाम	शाखा क्रमांक	कुल पंजीकृत उपयोगकर्ता	कुल सक्रिय उपयोगकर्ता
1	कोकराझार	0495	11229	987
2	हाउली	0501	10275	2587
3	ढालीगाँव	0889	9847	865
4	धुबरी	0479	8385	2184
5	जालाघाट	0677	8164	734

महान भारत

मैं तेरी गौरव का बखान क्या करूँ,
है तेरी तस्वीर विशाल, उसका क्या चित्रण करूँ,
अनगिनत हीरे मोती तूने अपने अंदर छिपाए हैं,
मैं तेरी दौलत का बखान क्या करूँ ।

मैंने देखा है उत्तर में तेरी सुंदर बर्फीली घाटियां हैं
कभी धूप तो कभी जाड़े की खूबसूरत सर्दियाँ है।
वहीं से थोड़ा आगे जाएँ,
तो बाबा अमरनाथ ध्यान में मग्न हैं
वहीं खड़ा हिमालय श्रेष्ठ, मुकुट पहने खड़ा है।

कहीं पर्वत तो कहीं नदियां, शोभा तेरी बढाती है,
कहीं आग सी गर्मी तो कहीं तेज बारिश है।

मैं हूँ कौन
जो तेरी महानता का बखान कुछ कर पाऊँ
है तेरी तस्वीर विशाल
उसका क्या चित्रण कर पाऊँ ।

अभिजीत पॉल
सहायक प्रबंधक
कालरचर शाखा (2651)

यात्रा-वृतांत

प्रभु श्रीराम ने बुलाया है - अयोध्या भ्रमण

विशाल कुमार
वरिष्ठ प्रबंधक – राजभाषा
अंचल कार्यालय गुवाहाटी

'अयोध्या' जो भारत के उत्तर प्रदेश राज्य में स्थित एक प्राचीन शहर है, जो हिंदू धर्म के लिए एक महत्वपूर्ण तीर्थ स्थल है, का नाम सुनते ही मन में एक पावन स्मृति उमड़ने लगती है। इसे भगवान श्रीराम की जन्मभूमि के रूप में भी जाना जाता है। सदियों से यह स्थान विवाद से घिरा था और प्रभु श्री राम लला एक छोटे से टेंट में विराजमान थे। अपने ही घर में प्रभु का टेंट में विराजमान होना मन को बहुत तकलीफ देता था। किन्तु फिर एक एतिहासिक दिन आया जब माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने दिनांक **9 नवंबर, 2019** को एक एतिहासिक फैसला सुनाया अयोध्या में राम जन्मभूमि पर राम मंदिर के निर्माण की अनुमति दी । अंततः राम मंदिर निर्माण का कार्य प्रारम्भ हुआ और माननीय प्रधानमंत्री के कर कमलों से **दिनांक 22 जनवरी, 2024** को श्रीराम मंदिर का भव्य उद्घाटन किया गया जिसका साक्षी पूरा देश बना।

तभी से मन में एक इच्छा उत्पन्न हुई कि राम मंदिर में प्रभु श्रीराम लला के दर्शन करने हैं। कई बार मेरे माता-पिता ने भी इच्छा व्यक्त की परंतु नव-निर्मित राम मंदिर को देखने के लिए देश भर से जो भीड़ उमड़ रही थी उसे देखकर साहस नहीं जुटा पाया। परंतु मन में एक दृढ़-संकल्प अवश्य ले चुका था कि बहुत जल्द पूरे परिवार के साथ अयोध्या भ्रमण के लिए जाएंगे।

एक दिन अपनी बिटिया की स्कूल की डायरी देख रहा था और सहसा मुझे उसकी छुट्टियों की सूची दिख गई जिसमें दुर्गा-पूजा के अवसर पर शरद ऋतु (Autumn Break) की छुट्टियों के रूप में 10 दिन की छुट्टी दर्शाई गई थी। आँखों में चमक आई और अविलंब मैंने अपने पिताजी से फोन पर बात की और उनसे इस बारे में विस्तार से चर्चा की, कि कैसे हम इस 10 दिन की छुट्टी का सदुपयोग कर सकते हैं। उन्होंने भी तुरंत हामी भर दी और तभी परिवार के बाकी अन्य सदस्यों ने भी अपनी मुहर लगा दी और इस प्रकार दुर्गा पूजा, 2024 के अवसर पर सपरिवार अयोध्या भ्रमण की योजना बन गई। सभी परिवार (कुल 10 सदस्यों) सहित पहले हम सब एक स्थान पर जो कि मेरा पैतृक आवास भी है, **'गया'** में 10 अक्तूबर, 2024 को एकत्रित हो गए।

यात्रा-वृतांत

फिर उसी रात को गया से अयोध्या की ट्रेन पकड़कर अगली सुबह दिनांक **11, अक्तूबर, 2024 (महानवमी)** को **अयोध्या धाम** रेलवे स्टेशन पर हम सब ने कदम रखें । अद्भभूत एहसास, एक अविस्मरणीय पल था वह हम सब के लिए। अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन की रौनक देखते बनते थी। हालांकि, रेलवे स्टेशन का कुछ हिस्सा उस समय भी निर्माणाधीन था, बावजूद इसके जो अयोध्या हमने कुछ वर्षों पहले (मंदिर निर्माण से पहले) जो अयोध्या देखी था, उससे यह बहुत अलग था। रेलवे स्टेशन से ही एक पावन अनुभूति होने लगी थी। रेलवे स्टेशन पर ही मंदिर की झलक को दर्शाया गया था।

- **अयोध्या भ्रमण – प्रथम दिन :-** बहरहाल, रेलवे स्टेशन से बाहर निकलकर हमलोग कुछ दूरी पर स्थित एक होम स्टे पहुंचे जिसकी बुकिंग पहले से की गई थी। वहां हम सभी दैनिक क्रिया के पश्चात करीब 2 घंटे बाद दोपहर 2 बजे तक श्रीराम मंदिर जाने के लिए तैयार हो गए। सभी का मन उत्साह से भरा था। **जय श्रीराम** के नारे के साथ श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के रवाना हो गए जो कि होम स्टे से करीब 3 किलोमीटर की दूरी पर स्थित था। वहां पहुँचकर पहले हमने **श्री हनुमान गढ़ी** में हनुमान जी के दर्शन किए । **श्री हनुमान गढ़ी**, श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के बिलकुल पास में ही है। ऐसा माना जाता है कि श्रीराम लला के दर्शन करने से पहले श्री हनुमान गढ़ी में हनुमान जी दर्शन करना अनिवार्य है। उनके दर्शन कर के उनकी आज्ञा लेकर ही हम श्रीराम लला के दर्शन के लिए आगे बढ़े। नवरात्रि के कारण उस दिन में मंदिर में बहुत अधिक भीड़ नहीं थी। इसलिए हनुमान गढ़ी में दर्शन के लिए हमें बहुत अधिक देर तक लाइन में खड़ा नहीं होना पड़ा और सभी ने बहुत आराम से दर्शन किए । हनुमान जी के दर्शन के बाद हनुमान गढ़ी में ही हम सब ने हनुमान चालीसा का पाठ किया जो हम सब के लिए अद्भभूत अनुभव था। बच्चों ने भी बड़े प्रसन्न मन से हनुमान चालीसा का पाठ किया।

श्री हनुमान गढ़ी में दर्शन के पश्चात हम सब ने श्रीराम लला के दर्शन के लिए जय श्री राम के नारे के साथ श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र की ओर प्रस्थान किया । प्रवेश द्वारा पर पहुँचते ही धमनियों में एक सकारात्मक ऊर्जा का संचार होने लगा। मानो जैसे वर्षों की तपस्या सफल होने जा रही हो। प्रवेश द्वारा से मुख्य मंदिर की दूरी करीब 1.5 किलोमीटर थी, जो पैदल

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के पास परिवार के साथ समूह चित्र तथा श्री हनुमान गढ़ी में दर्शन के दौरान चित्र

यात्रा-वृतांत

ही तय करनी थी। सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता थी। परिसर **जय श्री राम** के नारे से गुंजायमान था। कुछ दूर तक जाने के बाद एक बड़ी से काउंटर के पास सभी भक्तजन को जूते-चप्पल वहाँ रखने थे। फिर कुछ दूरी पर लॉकर का काउंटर था जहां पर सभी मोबाइल तथा अन्य वस्तुएं जमा करने थे। अर्थात भक्तजन मंदिर परिसर में पैसे के अलावा अन्य कोई बैग या पर्स अपने साथ नहीं ले जा सकता है। ऐसी व्यवस्था सुरक्षा के दृष्टिकोण से की गई थी। दो लॉकर में करीब एक दर्जन मोबाइल जमा करने के पश्चात सभी **जय श्रीराम** का नारा लगते हुए **श्रीराम लला** के दर्शन के लिए आगे बढ़े। उत्साह इतना कि मानो पहले कभी न देखी हो किसी ने ।

मंदिर परिसर सहित सम्पूर्ण अयोध्या में वानरों की उपस्थिति देखने लायक थी। विशेषकर मंदिर में, मानो वो भी हमारे साथ जय श्री राम का नारा लगा रहे हों और अपनी अधिक संख्या में उपस्थिति से हमें जता रहे हों कि आप चिंतित न हो हम वानरों ने तब भी श्रीराम की सहायता की थी और आज भी तत्पर हैं। धीरे-धीरे हम मुख्य मंदिर की ओर अग्रसर थे। जैसा कि हमने ऊपर बताया है कि उस दिन नवरात्रि की नवमी तिथि होने के कारण मंदिर में भीड़ थोड़ी कम थी परंतु भक्तजनों के उत्साह में कोई कमी नहीं थी। अंततः हम श्री राम लला के करीब पहुँचने लगे। करीब 100 मीटर पहले ही उनकी श्याम रंग की श्रृंगार युक्त अद्भभूत प्रतिमा हमें दिखाई देने लगी। उनके मुख मंडल की तेज और चमक और चमक ऐसी कि मानो साक्षात आदिदेव विराजमान हों। सुंदर मुख देखकर मन प्रसन्न हो गया। जैसे-जैसे करीब पहुँचते गए मंदिर में केवल **जय श्रीराम** के अलावा कुछ सुनाई ही नहीं दे रहा था। धीरे-धीरे हमलोग प्रतिमा के नजदीक पहुँच रहे थे और एक क्षण ऐसा आया कि हमलोग बिलकुल **श्रीराम लला** के सामने थे। वो पल अविस्मरणीय था, वो एहसास कभी न भूलने वाला था। श्री राम लला की 6 फिट 8 इंच ऊंची प्रतिमा, हाथ में धनुष और बाण, पैरों में पद्म आसन, मुख मण्डल पर शांति और सौम्यता का भाव, सिर पर मुकुट एक अप्रतिम अनुभूति थी हम सब के लिए। सुरक्षा व्यवस्था की दृष्टि से वहाँ बहुत अधिक देर तक रुकने नहीं दिया जाता है, लाइन में चलते चलते ही दर्शन करना होता है, किन्तु कम भीड़ के कारण हम सब ने करीब 10 सेकेंड तक रुककर प्रभु के दर्शन किए । सभी प्रसन्न मुद्रा में मंदिर से बाहर निकल रहे थे लेकिन एक चीज नहीं थम रही थी और वो था, **'जय श्री राम'** का नारा। धीरे-धीरे हम सब मंदिर के बाहर आए, तब तक शाम के 8.00 बज चुके थे। बच्चे सहित हम सभी भूखे थे अतः हम सब ने मंदिर क्षेत्र के समीप ही एक होटल में खाना खाया और मंदिर क्षेत्र से थोड़ी खरीदारी करते हुए वापस करीब 10.00 बजे तक एक अच्छा अनुभव लिए हुए होम स्टे पहुँच गए ।

- **अयोध्या भ्रमण – दूसरा दिन :-** पूर्व योजना के अनुसार दूसरा दिन हम सब का सरयू स्नान का था। चूंकि पहले ही दिन थकान बहुत अधिक हो गई थी इसलिए दूसरे दिन हमलोग थोड़ी देर से निकले थे। सरयू स्नान के लिए सर्वप्रथम हम सब राम की पैड़ी पहुंचे। वहाँ भी स्नान की व्यवस्था है परंतु वहाँ का पानी बहता पानी नहीं है तो हम सब राम की पैड़ी का भ्रमण करते हुए सरयू नदी के मुख्य घाट पर पहुँच गए। राम की पैड़ी बहुत सुंदर बनी हुई है और यहीं पर दीपावली में समस्त अयोध्यावासियों द्वारा दीप जलाया जाता और विश्व-रिकार्ड बनाया जाता है। सरयू के मुख्य घाट पर सभी ने पावन सरयू की पानी में स्नान किया और घाट पर ही पूजा अर्चना की। नदी में स्नान करना वैसे भी मनभावन होता है। घाट पर लगे सजे हुए नावों को देखकर बच्चों ने नाव भ्रमण की मांग की और फिर क्या था उनकी मांग को आधार बनाते हुए बड़े भी इस मुहिम में कूद गए और फिर शुरू हुई सरयू में नाव की सवारी। सरयू का नाव भ्रमण हमें कुछ दिन पहले बनारस में गंगा की नाव भ्रमण की याद दिलाने लगा। करीब आधे घंटे के की नाव की सवारी के पश्चात हम सब वापस घाट पर उतरे । नाव की सवारी सचमुच बहुत ही मजेदार थी। उसके बाद घाट पर लगे गुपचुप तथा अन्य खाद्य पदार्थ की रेवड़िया, कहाँ पीछा छोड़ने वाली थी। भूख तो लगी थी ही, फिर सब ने गुपचुप,

यात्रा–वृतांत

झाल-मुड़ी, नींबू चाय आदि का आनंद लिया। तब तक दोपहर के भोजन का समय हो चला था। ऑटो वाले भैया को बोलकर एक अच्छी सी जगह पर खाना खाये और करीब शाम के 5.00 बजे तक सूर्यकुंड पार्क पहुँच गए । सूर्यकुंड पार्क की विशेष बात यह थी कि वहाँ शाम के 7.00 बजे से कुंड के मध्य एक **लेजर लाइट शो** होता है जो अयोध्या में सूर्यकुंड एवं संबंधित इतिहास का व्याख्यान करता हुआ एक असाधारण शो है। आधे घंटे के इस शो में एक सेकेंड के लिए भी आँख इधर से उधर नहीं होती है। आधा घंटा कब समाप्त हो गया पता ही नहीं चला ।

- **अयोध्या भ्रमण – तीसरा (अंतिम) दिन :-** तीसरे दिन की योजना थी **श्री राम रसोई** में प्रसाद खाने की । श्री राम रसोई, श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र में ही **कनक भवन** में पटना के **महावीर मंदिर** के सहयोग से संचालित होता। यहाँ प्रतिदिन भक्तजनों को निशुल्क: प्रसाद (भोजन) खिलाया जाता है। **श्री राम रसोई सुबह 11.00 बजे से लेकर दोपहर 3.00 बजे तक चलती है और फिर शाम में 7.30 बजे से रात 10.00 बजे तक भक्तजनों को प्रसाद खिलाया जाता है।** इस हेतु सर्वप्रथम आधार कार्ड दिखाकर टोकन प्राप्त करना होता है, ऐसा इसलिए क्योंकि यह सेवा अयोध्यावासियों के लिए नहीं है, बल्कि बाहर से आए दर्शनार्थियों के लिए है। यहाँ बिलकुल पारंपरिक तरीके से शुद्ध सात्विक भोजन कराया जाता है जिसमें पूरी, जलेबी, दाल, चावल, दो तरह की सब्जी एवं पापड़ शामिल होता है तथा आपकी क्षमतानुसार भरपेट भोजन कराया जाता है। भोजन पश्चात पुनः हम सभी ने स्थानीय बाजार से ख़रीदारी की। इस दिन की ख़रीदारी प्रथम दिन की ख़रीदारी की तुलना में काफी अधिक थी क्योंकि यहा हमारा आखिरी दिन भी था अयोध्या में। ख़रीदारी करते हुए हम पहुँच चुके थे दशरथ महल के पास। सभी की इच्छा हुई इसे देखने की, परंतु दुर्भाग्यवश प्रवेश करते ही पता चला की अभी बंद हो चुका है। क्योंकि उस वक्त दोपहर के 2.00 बज चुके थे।

पुनः यह शाम 4.00 बजे खुलेगी। समय अधिक नहीं था इसलिए हमलोग वहाँ से सीधे **लता मंगेशकर** चौक चले गए। **लता मंगेशकर चौक का नजारा रमनीय था।** थोड़ा समय व्यतीत करने के बाद पुनः होम स्टे की ओर रवाना हो गए क्योंकि रात के 08.30 बजे हमारी ट्रेन थी। वापस होम स्टे में पहुँचकर सारी पैकिंग की गई और शाम 7.00 बजे अच्छी यादों को समेटे हुए रेलवे स्टेशन की ओर चल पड़े । स्टेशन पर ही हम सभी ने रात्रि भोजन किया और फिर ट्रेन में सवार होकर वापस पहुँच गए अपने गंतव्य स्थान 'गया'।

इस प्रकार हमारा अयोध्या भ्रमण एक यादगार, मनमोहक और अतुलनीय था। सभी ने खूब मजे किए । कुल मिलाकर यह एक अविस्मरणीय यात्रा थी, जो हमारी स्मृति में सदा रहेगी।

लता मंगेशकर चौक की एक सुंदर छवि

सच है

शब्दों को कागज पर उकोरने की
शुरुआत तुमसे है, ये सच है।
कागज पर लिखी,
हर एक बात तुमसे है।
उन्हें लगती झूठ पर हर
अलफाज की जज़्बात तुमसे है।
झूठ लगती कायनात
की हर बात तुमसे है।
तुम छू दो तो
जर्रा-जर्रा खिल उठने की बात तुमसे है।
तुम हंसी तो मौसम सही की बात तुमसे है।
तुम्हें लगती घुटन पर
मेरे हर सांस की मुजाकरात तुमसे है।
ये सच है।

परिहास

परिहासों से नहीं बनता कोई इतिहास
मिलजुल कर करना पड़ता है सबको प्रयास
आप हों बिलकुल आम या हो। कितने भी खास
कर्म भट्टी में उतार जाती है सबकी लिबास
कर्म पौरुषों पे ही टिकी रहती सबकी आस
परिहासों से नहीं बनता कोई इतिहास।
सबल उड़ाते हैं यहाँ निर्बल का अट्टहास,
रहता सभी को अपनी कमजोरियों का एहसास
वक्त रहते अपने कमजोरियों को लीजिये तराश
हुनरमंद इंसान एक दिन पहुँचते हैं आकाश
परिहासों से नहीं बंता कोई इतिहास ।

राजीव कुमार
वरिष्ठ प्रबंधक
लखरा शाखा (3039)

चाची माँ

सुजीत कुमार
वरिष्ठ प्रबंधक
करीमगंज शाखा (0822)

तुझसे कहने की हसरत,मुझे कब की है,
महसूस हुई थी मोहब्बत,जुनू तब का है।
ये बताने की लौ दिल में जलती रही.....
रोक रखा है दिल, फैसला रब का है।

तूने जीना सिखाया, खाक से उठा के,
मुझे काबिल बनाया, पढ़ा के लिखा के ।
मैंने बचपन में तुमको सताया बहुत ....
पर तुमने संभाला, मुझे गले लगा के ।

न घर था न आँगन, न बचपन कहीं,
मेरा गुम सा था भगवान, लड़कपन कहीं ।
उस रब ने भेजा तुझको मेरे लिए .....
वरना गर्दिश में रहता, विरप्पण कहीं ।

जिंदगी से शिकायत, यूं सबकी रही है,
पर मेरी इबादत, थोड़ी अलग सी ही है।
ए कुदरत जहां को इतना बता दे ....
वो मेरी चाची नहीं,मेरी माँ ही तो है।

आपसे मैं बना,आपकाही रहूँगा,
देता हूँ कसं, शिकायत न रखूँगा ।
जीवन के शीतम चाहे कुछ भी रहे ....
तुम माँ हो मेरी, सजदा मैं करूंगा ।

इक रहमत मेरे हिस्से भी भेजना,
खुश रखूँगा, हँसेगा तेरा घर अंगना ।
दे वचन ए खुदा तू ,मेरी जननी बने ....
मुझे अगले जनम, अपने गर्भ में सिचना ....
मुझे अगले जनम, अपने गर्भ में सिचना

भाषण

विकसित भारत

अभिजीत पॉल
सहायक प्रबंधक
कालरचर शाखा (2651)

खुशी का प्रकाश हमेशा हंसी में ही नहीं होती कभी आंसू में भी आनंद रह सकता है। उसी तरह विकास के पैमाने केवल आधुनिकता या इमारतों या नई तकनीकी की उपयोगिता से नहीं की जा सकती। विकास जैसे शब्द का अर्थ हमारे जैसे प्रगतिशील देश के लिए अलग-अलग होगी और इसकी परिभाषा भी अलग होगी। यह देश किसका है, यह मजदूरों का है, गरीबों का है और अमीरों का भी है और अगर हम कहते हैं कि हम विकास के ओर बढ़ रहे हैं तो यह तभी संभव है अगर हम सामान्य मानवीय के जीवन में उपार्जन की ज्यादा से ज्यादा सुविधाएं प्राप्त करा सके, उनके जीवन को सरल सहज और आधुनिक तकनीकों द्वारा उनकी शिक्षा, स्वास्थ्य वित्तीय व्यवस्था में सहयोग कर सके।

आजादी के बाद से ही देश कई कठिनाइयों का सामना करते हुए आगे बढ़ रहा है। गुलामी के कई वर्षों के बावजूद देश कृषि, उद्योग, शिक्षा, तकनीकी, विज्ञान आर्थिक आदि क्षेत्र में अपनी पहचान बनाने में सक्षम रहा है। पंचवार्षिक परिकल्पना, हरित बिपलब, श्वेत क्रांति आदि द्वारा देश ने अपने आप को आत्मनिर्भर बनाया है। नदी के ऊपर बनाए गए कई बांधों ने देश में बाढ़, जल सिंचन की समस्याओं का समाधान किया है।

कई प्रकारों के उद्योग ने देश को आर्थिक मजबूती प्रदान की है। आईआईटी, आईआईएम, जेएनयू और कई उच्च स्तरीय शिक्षण संस्थाओं ने देश की शिक्षा स्तर में क्रांति का काम किया और देश को अपने ज्ञान मेधा के ऊपर भरोसा दिलाया जो देश को तेजी से तरक्की की ओर ले जा रहा है। देश ने विज्ञान के क्षेत्र में भी नई-नई ऊंचाई को हासिल किया है। परमाणु परीक्षण से लेकर सेटेलाइट की उत्क्षेपन तक या नई विद्युत चुंबकीय तकनीक से लेकर कंप्यूटर के व्यवहार तक हमारा देश हर क्षेत्र में दुनिया के हर देश के साथ कदम से कदम मिलाकर चलरहा है।.

भाषण

बढ़ती हुई आबादी के लिए अनाज, आहार की व्यवस्था करना देश के लिए एक सबसे बड़ी चुनौती थी और हमारे देश ने इसको बखूबी निभाया है।

इतने बड़े देश के लिए रोजगार एक बड़ी समस्या थी। हमारी आर्थिक नीति और उदारीकरण ने भी इसका रास्ता निकाला था। बैंकों के राष्ट्रीयकरण से देश के पिछले निम्न वर्गों तक, किसानों तक कर्ज की सुविधाएं पहुंचाई गई। नए-नए उद्योगों की स्थापना देश को आत्मनिर्भर बनाता गया। देश में एक और चुनौती थी कि देश के सभी वर्गों तक राजनीतिक हिस्सेदारी हो और इसके तहत पंचायती राज की शुरुआत हुई। क्षमता की विकेंद्रीकरण हमारे जैसे देश के लिए एक बड़ी जिम्मेदारी थी और देश ने पूरे विश्व को दिखाया कि सही में गणतंत्र का मतलब क्या है।

हमारे देश को हर एक चीज प्रकृति से मिली है, चाहे वन हो, नदी हो, झील हो, पहाड़ हो, खनिज संपदा हो, समुद्री तट हो, हिमालय जैसी पर्वत श्रृंखला हो या फिर जैसलमेर की जैसी रेगिस्तान हो हर एक प्राकृतिक चीजों का बखूबी देश की आर्थिक प्रगति और मनोरंजन में प्रयोग किया गया । खेल के क्षेत्र में भी देश ने कई झंडे गाड़े। खेल में भी आज हमारा देश कई देशों से आगे है।

जहां बेहतरी की पूरी गुंजाइश है और इस देश को जो और प्रगतिशील और विकसित बनाती है वह है इसकी भिन्नता में एकता ।

आज हमारा देश चांद की धरती पर पहुंच चुका है। आज देश का हर जरूरतमंद बच्चा मुफ्त शिक्षा का लाभ उठा पा रहा है। आज प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना द्वारा हर एक गांव-गांव तक पक्की सड़क बन रही है।

आज हर गांव तक बिजली पहुंचाने का काम किया जा रहा है। हर बेघर काअपना मकान बनाने का सपना सच हो रहा है। आज कई शहरों को आधुनिक रेल गाड़ियों से जोड़ा जा चुका है। आज कृषि, वाणिज्य आदि में कर्ज बहुत सरल हो चुकी है। आज भारत तेजी से ट्रिलियन इकोनामी की तरफ बढ़ रहा है और शायद वह दिन भी दूर नहीं जब हम एकता के साथ एक ऐसा कहेंगे, "सारे जहां से अच्छा हिंदुस्तान हमारा"।

"भारत के लिए हिंदी भाषा ही सर्वसाधारण की भाषा होने के उपयुक्त है।"
शरदचरण मित्र

कार्यपालक निदेशक का गुवाहाटी दौरा

कार्यपालक निदेशक श्री राजेन्द्र कुमार साबू जी का एयरपोर्ट पर स्वागत करते हुए अंचल प्रबंधक श्री सुनीत कुमार झा एवं होटल में स्वागत करते हुए सुश्री सुप्रभा, प्रबंधक, अंचल कार्यालय; साथ में हैं श्री सौरभ कुमार, सुरक्षा अधिकारी

सेंट्रल स्टाफ कॉलेज कोलकाता में वरिष्ठ राजभाषा अधिकारियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम

सुरक्षा निर्देशिका

मनी म्यूल घोटालों से सावधान रहें!

जालसाज़ व्यक्तियों फुसलाकर अवैध गतिविधियों के लिए उनके बैंक खातों या अन्य वित्तीय साधनों का उपयोग करके उनका शोषण करते हैं।

घोटाले की कार्यप्रणाली

- जालसाज़ आम तौर पर ईमेल, चैट रूम, सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म और यहां तक कि व्यक्तिगत मुलाकात सहित विभिन्न चैनलों के माध्यम से संभाव्य पीड़ितों से संपर्क करते हैं।
- वे पीड़ितों को अविश्वसनीय रूप से आकर्षक नौकरी - प्रस्ताव, प्रोत्साहन, या निवेश योजनाओं के वादे करके लुभाते हैं।
- जैसे ही पीड़ित तैयार हो जाता है, उससे उनके बैंकिंग विवरण, जैसे खाता संख्या, एटीएम कार्ड, या ऑनलाइन बैंकिंग की आवश्यक जानकारी साझा करने के लिए कहा जाता है।
- फिर जालसाज़ साझा किए गए खातों का उपयोग अनधिकृत लेनदेन या अवैध गतिविधियों जैसे धन-शोधन, धोखाधड़ी, या अवैध धन हस्तांतरित करने के लिए करते हैं। इन खातों को "म्यूल खाते" के रूप में जाना जाता है ।
- पीड़ित अनजाने ही इन अपराधों में भागीदार बन सकते हैं और उन्हें अपनी संलिप्तता के लिए कानूनी परिणाम भी भुगतने पड़ सकते हैं।

घोटाले से कैसे बचें

- अवांछित नौकरी प्रस्तावों, प्रोत्साहनों या निवेश योजनाओं से सावधान रहें जो जल्द प्रतिफल या शून्य जोखिम का वादा करते हैं।
- कभी भी अपने बैंक खाते का विवरण, एटीएम कार्ड, ऑनलाइन बैंकिंग के आवश्यक जानकारी, या कोई अन्य संवेदनशील जानकारी अजनबियों या तीसरे पक्ष के साथ साझा न करें।
- तुरंत निर्णय लेने के आग्रह वाले किसी भी अनुरोध या प्रस्ताव की सावधानीपूर्वक जांच करें। ठहरें और ऐसे अनुरोध की वैधता सत्यापित करें।
- यदि उपहार कार्ड या आभासी मुद्रा जैसी अपरंपरागत भुगतान विधियों का उपयोग करने के लिए कहा जाए तो सतर्क रहें।
- यदि कोई संदिग्ध गतिविधियां देखी जाती हैं, तो वित्तीय हानि और कानूनी परिणामों से बचाने के लिए त्वरित कार्रवाई हेतु तुरंत बैंक और स्थानीय कानून प्रवर्तन प्राधिकारियों को इसकी सूचना दें।

अंचल कार्यालय में डाटा गवर्नेंस दिवस का अनुपालन

अंचल कार्यालय में प्रेमचंद जयंती का आयोजन

यूको बैंक में प्रेमचंद जयंती की पूर्व संध्या पर उन्हें याद किया गया। इस अवसर पर यूको बैंक के अंचल कार्यालय गुवाहाटी द्वारा दिनांक **30.07.2024 (मंगलवार)** को **नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (बैंक), गुवाहाटी के तत्वावधान** में नराकास (बैंक), गुवाहाटी के सदस्य कार्यालय के स्टाफ सदस्यों के लिए **“मुंशी प्रेमचंद प्रश्नावली प्रतियोगिता सह संगोष्ठी”** का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री बदरी यादव, परामर्शदाता, भारत सरकार, कार्यक्रम के अध्यक्ष श्री जितेंद्र कुमार, सहायक महाप्रबंधक, यूको बैंक, श्रीमती स्मिति मिसरा, सहायक महाप्रबंधक-राजभाषा, भारतीय स्टेट बैंक सहित सदस्य बैंको के स्टाफ-सदस्यगण, राजभाषा अधिकारीगण, यूको बैंक के स्टाफ सदस्यगण उपस्थित थे।

सर्वप्रथम विभिन्न बैंकों से आए प्रतिभागियों के बीच मुंशी प्रेमचंद प्रश्नावली प्रतियोगिता कराई गई जो पूर्ण रूप से ऑफलाइन था। इसके बाद संगोष्ठी की गई जिसमें विभिन्न बैंकों से पधारे राजभाषा अधिकारियों यथा श्रीमती स्मिति मिसरा, भारतीय स्टेट बैंक; **श्री राजेश चतुर्वेदी, भारतीय स्टेट बैंक, सुश्री श्वेता कुमारी, पंजाब नैशनल बैंक; श्री रवि कुमार, बैंक ऑफ इंडिया; श्री अमित कुमार झा, सेंट्रल बैंक** आदि ने अपने वक्तव्य दिए एवं श्रद्धेय **प्रेमचंद जी** को साहित्य के क्षेत्र में उनके अमूल्य योगदान के लिए याद किया। यूको बैंक के राजभाषा अधिकारी **श्री विशाल कुमार** ने कार्यक्रम संचालन किया तथा **श्री अनिल भगत, पंजाब नैशनल बैंक** ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

शाखाओं की समीक्षा बैठक का आयोजन
दिनांक 06 एवं 07 जुलाई, 2024

अंचल प्रमुख श्री सौम्यदीप घोष एवं उप अंचल प्रमुख श्री ख्रिली पिन्यू शाखा प्रमुखों को संबोधित करते हुए; साथ में हैं श्री जितेंद्र कुमार, सहायक महाप्रबंधक एवं एसएमई प्रमुख

चतुर्थ ऑल असम पैरा स्पोर्ट्स मीट
यूको बैंक द्वारा प्रायोजन

आयोजन स्थल पर लगे हमारे बैनर एवं स्टैंडी तथा यूको बैंक की जर्सी में नन्हें पैरा एथलीट

साइबर जागरूकता दिवस के अवसर पर वाकाथन

ইউকো বেংকৰ উদ্যোগত ৱাকথন

গুৱাহাটী, ৭ আগষ্ট ঃ ভাৰত চৰকাৰ, ভাৰতীয় ৰিজাৰ্ভ বেংক আৰু ইউকো বেংকৰ মুখ্য কাৰ্যালয়ৰ পৰা পোৱা গাইডলাইন অনুসৰি ০৭/০৮/২০২৪ তাৰিখে পুৱা ৭.০০ বজাত গুৱাহাটীৰ খানাপাৰাত চাইবাৰ সজাগতা দিৱসৰ অধীনত এক ৱাকথনৰ আয়োজন কৰা হয় আৰু ৱাকথনৰ থিম আছিল "চাইবাৰ সুৰক্ষা সজাগতা"। অনুষ্ঠানত ডিজিএম আৰু মণ্ডল মুৰব্বী শ্ৰী শৌমৌদীপ ঘোষ, শ্ৰী খ্ৰীয়েলি পিয়েন্যু, সহকাৰী মহাপ্ৰবন্ধক আৰু উপ আঞ্চলিক প্ৰধানকে ধৰি সহ খণ্ড কাৰ্যালয় গুৱাহাটী, ক্ষেত্ৰ পৰিদৰ্শন গুৱাহাটী আৰু গুৱাহাটী মহানগৰ শাখাৰ কাৰ্যবাহী আৰু কৰ্মচাৰী সকল উপস্থিত থাকে।

यूको बैंक ने किया वॉकथॉन

गुवाहाटी, 7 अगस्त (पू.सं.)। भारत सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक एवं हमारे प्रधान कार्यालय से प्राप्त दिशा-निर्देशों के अनुसार बुधवार को प्रातः 7.00 बजे से साइबर जागरूकता दिवस के तहत वॉकथॉन का आयोजन किया गया, जिसका विषय साइबर सुरक्षा जागरूकता रखा गया। कार्यक्रम में सौम्यदीप घोष, उप महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख ख्रिली पिन्यू, सहायक महाप्रबंधक एवं उप अंचल प्रमुख सहित अंचल कार्यालय गुवाहाटी, क्षेत्र निरीक्षणालय गुवाहाटी तथा गुवाहाटी शहर स्थित शाखाओं के कार्यपालकगण तथा स्टाफ सदस्यों ने प्रतिभागिता की।

अखबार के पन्नों में खबर

मालीगाँव शाखा में विभाजन विभीषिका स्मृति प्रदर्शनी

सरकार के निर्देशानुसार 13 अगस्त, 2024 को कामरूप मेट्रोपॉलिटन जिले के लिए यूको बैंक के मालीगांव शाखा में विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया है। प्रदर्शनी 13 से 15 अगस्त, 2024 तक सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक यूको बैंक मालीगांव शाखा में आम जनता के लिए खुली थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घोषणा की कि 1947 में विभाजन के दौरान भारतीयों के कष्टों और बलिदानों को याद दिलाने के लिए प्रतिवर्ष 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के रूप में याद किया जाएगा। विभाजन **विभीषिका स्मृति दिवस** हमें सामाजिक विभाजन, वैमनस्य के जहर को दूर करने और एकता, सामाजिक सद्भाव और मानव सशक्तीकरण की भावना को और मजबूत करने की आवश्यकता की याद दिलाता है। प्रदर्शनी का उद्घाटन जिला विकास आयुक्त (डीडीसी), कामरूप मेट्रोपॉलिटन जिला श्रीमती पारिजात भुयां ने किया। कार्यक्रम में यूको बैंक, गुवाहाटी अंचल के अंचल प्रमुख **सौम्यदीप घोष**, विद्युत कुमार साहा, अन्य वरिष्ठ नागरिक और 100 से अधिक आम लोग लोग शामिल हुए। प्रदर्शनी का आयोजन अग्रणी जिला कार्यालय, कामरूप मेट्रोपॉलिटन जिला द्वारा किया गया।

गीत गायन प्रतियोगिता

स्वतंत्रता दिवस 2024 की पूर्व संध्या पर नराकास (बैंक), गुवाहाटी के तत्वावधान में भारतीय स्टेट बैंक द्वारा देशभक्ति गीत गायन प्रतियोगिता में यूको बैंक की प्रस्तुति

अंचल कार्यालय में 77 वां स्वतंत्रता दिवस समारोह

यूको बैंक के वेतनमान IV के राजभाषा अधिकारियों हेतु तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा गुवाहाटी अंचल की पत्रिका का विमोचन

गुवाहाटीः भारतीय बैंक प्रबंधन संस्थान में 28 से 30 अगस्त तक चल रहे यूको बैंक के राजभाषा अधिकारियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में बुधवार को बैंक की छमाही पत्रिका 'यूको कामाख्या दर्पण' का विमोचन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में दैनिक पूर्वोदय के संपादक रविशंकर रवि और बैंक के उपमहाप्रबंधक सौम्यदीप घोष उपस्थित थे।

अंचल कार्यालय में गणेश उत्सव

अंचल प्रमुख श्री सौम्यदीप घोष सर कार्यालय के अन्य स्टाफ के साथ श्री गणेश पूजन के दौरान

सितंबर, 2024 तिमाही की हिंदी कार्यशाला

अंचल कार्यालय गुवाहाटी द्वारा दिनांक 18.09.2024 को अपराह्न 04:00 बजे से स्टाफ सदस्यों के लिए अंचल कार्यालय के सभागार में हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया । कार्यशाला में अंचल कार्यालय एवं शाखाओं से कुल 17 स्टाफ सदस्यों ने प्रतिभागिता की ।

श्री ख्रिली पिन्यू, सहायक महाप्रबंधक एवं उप अंचल प्रमुख ने अपना स्वागत वक्तव्य देते हुए राजभाषा कार्यान्वयन पर प्रतिभागियों को वृहत मार्गदर्शन प्रदान किया। राजभाषा अधिकारी श्री विशाल कुमार ने कार्यशाला सम्पन्न किया ।

कार्यशाला में प्रमुख रूप से सिंगल साइन ऑन में भरी जाने वाली तिमाही प्रगति रिपोर्ट की बारीकियों से शाखा के स्टाफ सदस्यों को अवगत कराया गया। इसके अतिरिक्त प्रधान कार्यालय के निर्देशानुसार कार्मिकों को शाखा में की जानेवाली रोजमर्रा के कार्यों को हिंदी में करने के लिए प्रोतसाहित किया गया । हिंदी में वाउचर बनाने के लिए बताया गया, सभी प्रतिभागियों को हिंदी टाइपिंग का अभ्यास कराया गया एवं मोबाइल में टेक्स्ट टू स्पीच एवं स्पीच टू टेक्स्ट (हिंदी में) के प्रयोग से अवगत कराया गया। राजभाषा अधिनियम, नियम पर भी चर्चा की गई एवं पत्राचार प्रोत्साहन योजना के बारे में बताया गया तथा सभी से इसमें प्रतिभागिता के लिए कहा गया ।

सम्मिलित प्रतिभागियों से एक प्रतिभागी द्वारा आभार उद्बोधन के साथ कार्यशाला समापन की घोषणा की गई।

हिंदी दिवस समारोह - 2024
एवं चतुर्थ अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन, नई दिल्ली
राजभाषा हीरक जयंती

राजभाषा कीर्ति पुरस्कार 2023-24 के साथ आदरणीय श्री अश्वनी कुमार, एमडी एवं सीईओ तथा पूरी राजभाषा टीम

भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा **14-15 सितंबर, 2024** को **भारत मंडपम, नई दिल्ली** में **हिंदी दिवस समारोह - 2024 एवं चतुर्थ अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन, राजभाषा हीरक जयंती** का आयोजन किया गया । इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में श्री अमित शाह, माननीय गृह एवं सहकारिता मंत्री, के अलावा अन्य गणमान्य उपस्थित थे । समारोह में वर्ष 2023-24 हेतु राजभाषा कीर्ति पुरस्कार प्रदान किया गया । यह पुरस्कार वर्ष भर में राजभाषा में श्रेष्ठ कार्यनिष्पादन हेतु प्रदान किया जाता है । यूको बैंक को भी **वर्ष 2023-24** के लिए राजभाषा में श्रेष्ठ कार्यनिष्पादन हेतु **राजभाषा कीर्ति पुरस्कार - द्वितीय** प्रदान किया गया । यह पुरस्कार माननीय गृह मंत्री **श्री अमित शाह** जी के कर कमलों से प्रदान किया गया एवं इसे हमारे **एमडी एवं सीईओ श्री अश्विनी कुमार** ने ग्रहण किया ।

यह लगातार चौथी बार है जब यूको बैंक को राजभाषा कीर्ति पुरस्कार से सम्मानित किया गया है । इसके पहले वर्ष **2020-21, 2021-22, 2022-23** के लिए यह पुरस्कार मिल चुका है।

हिंदी दिवस समारोह - 2024
एवं चतुर्थ अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन, नई दिल्ली
राजभाषा हीरक जयंती

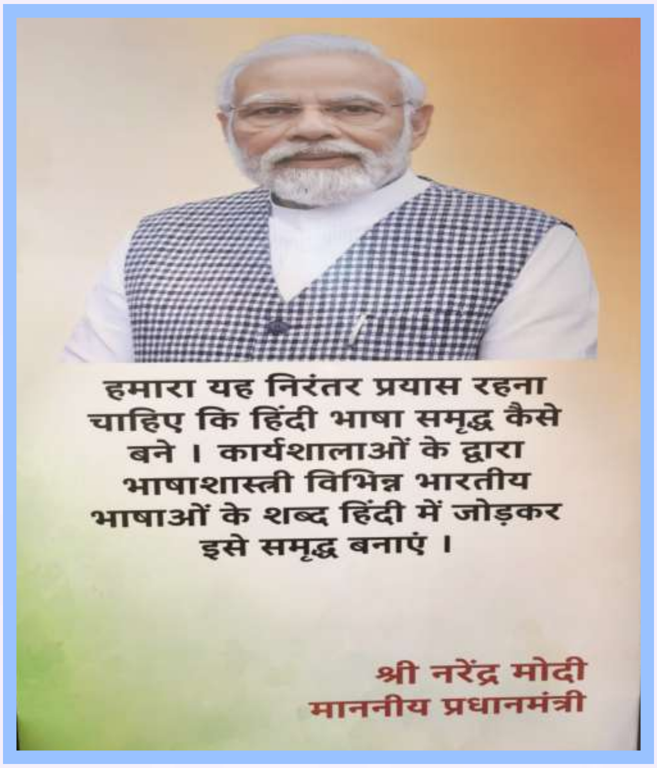

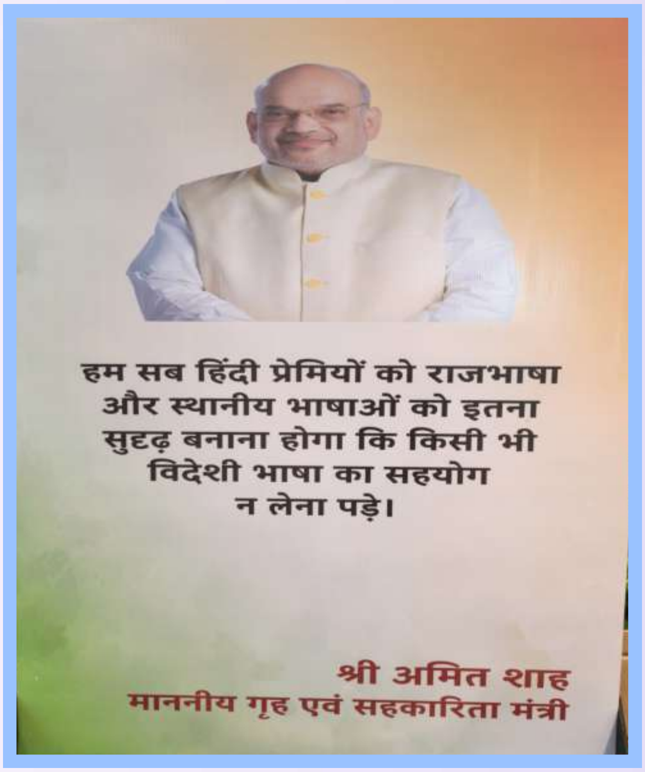

सम्मेलन स्थल पर माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी तथा माननीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह जी का संदेश

राजभाषा कीर्ति पुरस्कार 2023-24 के साथ पूरी राजभाषा टीम

हिंदी दिवस एवं हिंदी पखवाड़ा 2024

दीप प्रज्वलन कर पखवाड़ा का शुभारंभ करते हुए अंचल प्रमुख एवं उप अंचल प्रमुख

गुवाहाटी अंचल कार्यालय द्वारा हिंदी दिवस के अवसर पर 14-28 सितंबर, 2024 तक हिंदी पखवाड़ा का आयोजन किया गया । भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग के निर्देशानुसार 14-15 सितंबर, 2024 को "भारत मंडपम, नई दिल्ली" में अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस प्रकार दिनांक 18 सितंबर, 2024 को यूको बैंक के अंचल कार्यालय में हिंदी दिवस कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस दौरान श्री सौम्यदीप घोष, उप महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख, श्री जितेंद्र कुमार, सहायक महाप्रबंधक एवं एसएमई प्रमुख, श्री ख्रिली पिन्यू, सहायक महाप्रबंधक एवं उप अंचल प्रमुख, श्री चितरंजन जाली, सहायक महाप्रबंधक एवं क्षेत्र निरीक्षणालय प्रमुख के साथ-साथ अन्य कार्यपालकगण द्वारा दीप प्रज्वलन किया गया ।

अंचल प्रमुख द्वारा सभी स्टाफ सदस्यों को यूको राजभाषा प्रतिज्ञा का पाठ कराया गया । श्री विशाल कुमार, वरिष्ठ प्रबंधक-राजभाषा ने सभी स्टाफ सदस्यों को पखवाड़ा के दौरान आयोजित होने वाली विभिन्न प्रतियोगिताओं से अवगत कराया ।

हिंदी दिवस एवं हिंदी पखवाड़ा 2024

पखवाड़ा के दौरान कुल चार प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया ।

- हिंदी भाषण प्रतियोगिता –इसमें स्टाफ सदस्यों के बीच विकसित भारत/डिजिटल इंडिया विषय पर हिंदी में भाषण प्रतियोगिता कराई गई । इसमें बोलने के लिए न्यूनतम 2 मिनट का समय दिया गया था।
- हिंदी आशुभाषण प्रतियोगिता – यह प्रतियोगिता हांडिक गर्ल्स कॉलेज, गुवाहाटी में उनके छात्राओं के बीच कराई गई थी ।
- काव्य आवृति प्रतियोगिता – यह प्रतियोगिता भी अंचल कार्यालय एवं क्षेत्र निरीक्षणालय के स्टाफ सदस्यों के बीच कराई गई। इसमें प्रतिभागियों को स्वरचित कविता या स्वेच्छा से कोई भी कविता का पाठ करना था।
- प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता – इस प्रतियोगिता में प्रतिभागियों से राजभाषा, बैंकिंग एवं सामान्य-ज्ञान पर आधारित प्रश्न पूछे गए थे।

हैंडिक गर्ल्स कॉलेज गुवाहाटी में यूको बैंक द्वारा उनके छात्राओं के बीच आशुभाषण प्रतियोगिता

बैंक के स्टाफ सदस्यों के बीच हिंदी भाषण प्रतियोगिता

हिंदी दिवस एवं हिंदी पखवाड़ा 2024

- **समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह :- दिनांक 24.10.2024 को समापन समारोह एवं पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया।** कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में **श्री राजीव कुमार नायक**, उप निदेशक, क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय, पूर्वोत्तर क्षेत्र , भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग उपस्थित थे। तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता **श्री सौम्यदीप घोष**, अंचल प्रमुख ने की।

मुख्य अतिथि श्री राजीव कुमार नायक जी का स्वागत करते हुए अंचल प्रमुख

उपहार तथा प्रशस्ति पत्र प्राप्त करते हुए प्रतिभागीगण

जन्मदिन

Culture of Integrity for Nation's Prosperity
Vigilance Awareness Campaign 2024
UCO BANK

नन्हें कलाकार

नाम - प्रयाग राय
सुपुत्र - सुश्री डिंपी दास राय, प्रबंधक, एसएमई, केंद्र, गुवाहाटी
विद्यालय - यूरो किड्स
कक्षा - यूरो सीनियर

नाम - सुश्री न्यूशा राज ओयनम
कक्षा - 6
विद्यालय - देल्ही पब्लिक स्कूल, गुवाहाटी
सुपुत्री - श्रीमती राजकुमारी निमिखा, वरिष्ठ प्रबंधक (सू.प्रौ.), अंचल कार्यालय गुवाहाटी

नाम - अक्षिता रॉय गुप्ता
सुपुत्री - श्री विशाल कुमार, वरिष्ठ प्रबन्धक-राजभाषा, गुवाहाटी अंचल
विद्यालय - केंद्रीय विद्यालय, खानापारा, गुवाहाटी
कक्षा - 1ए

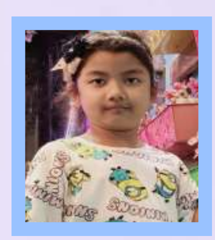

स्वास्थ्य का ध्यान रखें

तुलसी के पत्ते संग काली मिर्च का सेवन फायदेमंद

तुलसी का पौधा केवल धार्मिक रूप से ही विशेष नहीं है बल्कि सेहत के लिए भी ये अत्यधिक फायदेमंद है। आयुर्वेद में तुलसी का पत्ता हर्ब्स माना जाता है जिसे खाने से कई सारी बीमारियों में आराम मिलता है। तुलसी के पत्ते को रोजाना खाने से कई बीमारियों में राहत मिलती है। वहीं अगर इस तुलसी के साथ काली मिर्च को इन बीमारियों में लिया जाए तो जल्द राहत मिलती है। आइए जानते है कि इनके क्या-क्या फायदे हैं-

- **बुखार होने पर तुलसी काली मिर्च से मिलेगी राहत :** बुखार अक्सर हो जाता है या सर्दी- जुकाम के साथ बुखार होता है जो वापस नहीं लौटता, शरीर में बना रहता है तो तुलसी के ताजे पत्तों के साथ काली मिर्च और 10 ग्राम मिश्री को पीसकर घोल बना लें और इसका सेवन करें।

- **खांसी की समस्या होगी दूर :** बदलते मौसम में सर्दी-जुकाम के बाद खांसी परेशान करने लगती है। इस समस्या से निपटने के लिए रोजाना तुलसी के पत्ते के साथ काली मिर्च मिलाकर खाएं जिससे न केवल खांसी बल्कि सर्दी-जुकाम में भी आराम मिलेगा।

- **सांस और एलर्जी की दिक्कत होगी दूर :** अगर किसी को प्रदूषण और धूल-मिट्टी की वजह से एलर्जी की शिकायत रहती है तो उसे तुलसी के पत्ते के साथ काली मिर्च की ड्रिंक पीने से राहत मिलती है। ये फेफड़ों में होने वाली एलर्जी से बचाती है।

- **गैस, एसिडिटी में आराम :** अगर किसी को पेट में दर्द, गैस, एसिडिटी की समस्या रहती है तो तुलसी के पत्ते के साथ काली मिर्च खाने से गैस और पेट दर्द में राहत मिलती है।

- **इम्यूनिटी होती है मजबूत :** रोजाना तुलसी के पत्तों को काली मिर्च के साथ मिलाकर चबाकर खाने से इम्यूनिटी सिस्टम मजबूत होता है।

- **टॉक्सिंस निकल जाते हैं बाहर :** तुलसी के पत्तों और काली मिर्च को मिलाकर ड्रिंग तैयार की जाए तो ये शरीर में मौजूद टॉक्सिंस को बाहर निकालने में मदद करता है

साभार - दैनिक पूर्वोदय

यूको बैंक
UCO BANK

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ

बेटी का उज्ज्वल भविष्य, आपके आज के निर्णय पर निर्भर।

आज ही **सुकन्या समृद्धि योजना** से जुड़ें

- न्यूनतम जमा राशि **₹250** से शुरू
- आरओआईः **8.2%**
- आंशिक निकासी की सुविधा
- यूको एमबैंकिंग प्लस ऐप के जरिए खाता खोलने की सुविधा

*T&C Apply

800-103-0123 (Toll Free) 8334001234 7666399400 Follow us

यूको बैंक UCO BANK
(भारत सरकार का उपक्रम) (A Govt. of India Undertaking)
सम्मान आपके विश्वास का Honours Your Trust